'वाराणसी' के बाद प्रियंका की बड़ी वापसी

बॉलीवुड और हॉलीवुड में अपनी मजबूत पहचान बना चुकीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के करियर में एक और बड़ा अध्याय जुड़ गया है. एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब प्रियंका एक और महत्वपूर्ण बायोपिक का हिस्सा बनने जा रही हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, वह मशहूर चित्रकार अमृता शेरगिल के जीवन पर आधारित फिल्म 'अमरी' में नजर आएंगी.

इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध फिल्ममेकर मीरा नायर कर रही हैं, जो भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं. 'अमरी' भारत और हंगरी की नागरिकता रखने वाली महान कलाकार अमृता शेरगिल के जीवन, संघर्ष और कला यात्रा पर आधारित होगी. सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रोजेक्ट है, जिसे भारत के साथ-साथ हंगरी और फ्रांस में भी बड़े पैमाने पर रिलीज करने की योजना है. हालांकि प्रियंका इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नहीं होंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी में बेहद महत्वपूर्ण बताया जा रहा है. यह किरदार फिल्म को एक वैश्विक दृष्टिकोण देने में अहम भूमिका निभाएगा. बताया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा ने इस प्रोजेक्ट के लिए कुछ हिस्सों की शूटिंग भी पूरी कर ली है. उन्होंने अमृतसर में दो दिनों तक फिल्म के लिए शूटिंग की थी. इससे पहले वह हैदराबाद में अपनी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही थीं, जहां से सीधे वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ गईं.

प्रियंका चोपड़ा पिछले कुछ वर्षों से हॉलीवुड में लगातार सक्रिय हैं, लेकिन अब वह भारतीय सिनेमा में भी मजबूत वापसी कर रही हैं. 'मैरी कॉम' जैसी बायोपिक में दमदार प्रदर्शन के बाद अब अमृता शेरगिल की कहानी का हिस्सा बनना उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है.

जापान में जुलाई माह में रिलीज होगी धुरंधर

अपने शानदार और रिकॉर्ड तोड़ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस सफर के बाद, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की फिल्म 'धुरंधर (पार्ट वन)', 10 जुलाई 2026 को जापान में थिएटर रिलीज के लिए तैयार है. यह फिल्म के इंटरनेशनल सफर का एक और बड़ा पड़ाव माना जा रहा है.

जापान में रिलीज से पहले, फिल्म ने दुनिया भर के कई बड़े मार्केट्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और भारतीय सिनेमा के लिए नए रास्ते खोले हैं. 05 दिसंबर 2005 को ग्लोबली रिलीज हुई इस स्पाई एक्शन एंटरटेनर ने दुनियाभर में 1328 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था.

धुरंधर (पार्ट 1) ने इंटरनेशनल मार्केट में भी बड़ा मुकाम हासिल किया. यह नॉर्थ अमेरिका में अब तक की नंबर 1 हिंदी फिल्म बनी, वहीं कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म रही.

करिश्मा कपूर ने फोटो सेशन में टोका पैप्स को

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई हैं. इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि एक वायरल वीडियो है जिसमें वह पैपराजी को हल्के अंदाज में 'ज्यादा जूम मत करना' कहते हुए नजर आ रही हैं. यह घटना टीवी रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के नए सीजन की शूटिंग के दौरान हुई.

जानकारी के अनुसार, करिश्मा कपूर अपने शो के सेट पर मौजूद थीं, जहां उनके साथ जावेद जाफरी, कोरियोग्राफर गीता कपूर और टैरेंस लुइस भी उपस्थित थे. शूटिंग शुरू होने से पहले सभी जज और कलाकारों ने पैपराजी को पोज दिए. इसी दौरान जब फोटो और वीडियो सेशन समाप्त हो रहा था और सभी वहां से जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी करिश्मा कपूर ने बेहद सॉफ्ट आवाज में पैप्स से कहा कि 'ज्यादा जूम मत करना.'

यह छोटा सा बयान कैमरे में कैद हो गया और कुछ ही समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया. इंस्टाग्राम और रेडिट जैसे प्लेटफॉर्म पर वीडियो को लेकर लोगों ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं. कुछ यूजर्स ने इसे कलाकारों की प्राइवेसी और उनके सम्मान से जोड़ते हुए सही कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे हल्के-फुल्के अंदाज की सामान्य बातचीत माना.

इस घटना ने एक बार फिर बॉलीवुड और पैपराजी कल्चर पर बहस छेड़ दी है. कई यूजर्स का कहना है कि कैमरा एंगल और क्लोज-अप शॉट्स को लेकर पहले भी कई कलाकार अपनी आपत्ति जता चुके हैं. इससे पहले भी कई अभिनेत्रियां जैसे अन्य बॉलीवुड हस्तियां इस तरह के मुद्दों पर अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुकी हैं.

टेलीविजन हलचल

कान्स 2026 प्रीमियर से पहले 'सितंबर 21' का ट्रेलर रिलीज़

फिल्म 'सितंबर 21' का आधिकारिक ट्रेलर अब रिलीज़ हो चुका है, जो अल्ज़ाइमर और देखभाल करने वालों के अक्सर अनदेखे संघर्षों पर आधारित एक भावनात्मक और प्रभावशाली कहानी की झलक दिखाता है. करेन क्षिति सुवर्णा द्वारा निर्देशित यह हिंदी-कन्नड़ फिल्म 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के मार्चे डू सेक्शन के लिए आधिकारिक रूप से चुनी गई है. फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 16 मई 2026 को कान्स के होगा, जो पूरी टीम के लिए गर्व का क्षण है. फिल्म में प्रियंका उपेंद्र, प्रवीण सिंह सिसोदिया, जरीना वहाब, अजीत शिधाये और अमित बहल मुख्य भूमिकाओं में हैं. कहानी एक ऐसे पिता की है जो डिमेंशिया से जूझ रहा है, और एक बेटे की, जिसे अपने सपनों और परिवार की जिम्मेदारी के बीच चुनाव करना पड़ता है. निर्देशक करेन क्षिति सुवर्णा ने कहा, 'सितंबर 21 एक बहुत ही व्यक्तिगत कहानी है, जो उन भावनाओं के बारे में है जिन्हें हम अक्सर व्यक्त नहीं कर पाते, खासकर देखभाल करने वालों के मन का बोझ. ट्रेलर के माध्यम से हम दर्शकों को इस दुनिया की सच्ची और ईमानदार झलक देना चाहते थे. अपने सफर के इतने शुरुआती दौर में इस फिल्म को कान्स तक ले जाना मेरे लिए अविश्वसनीय है, और मुझे उम्मीद है कि यह कहानी हर संस्कृति के लोगों से जुड़ पाएगी.'

वर्ल्ड डांस डे पर टीवी सितारों का संदेश

वर्ल्ड डांस डे पूरी दुनिया में नृत्य के उस खास रूप का जश्न मनाने का दिन है, जो भाषा, जगह और संस्कृति की सीमाओं से बहुत आगे जाता है. डांस एक ऐसी कला है, जो बिना कुछ कहे दिल के सबसे गहरे जज़्बात बयां कर देती है. खुशी हो, इंतजार हो, दुख हो या जश्न, डांस हर एहसास को बहुत सहजता और खूबसूरती से सामने लाता है. कलाकारों के लिए यह सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि खुद को जाहिर करने का एक मजबूत जरिया है, जो उनके किरदारों को और असरदार बनाता है और कहानी को और गहराई देता है. इस खास मौके पर ज़ी टीवी के कलाकारों अमनदीप सिद्धू, आयुषी खुराना, सायंतनी घोष, अक्षिता मुद्गल, मोहक मटकर और निहारिका चौकसे ने बताया कि डांस उनके लिए क्या मायने रखता है. 'गंगा माई की बेटियां' में स्नेहा का किरदार निभा रहीं अमनदीप सिद्धू कहती हैं, 'कथक एक ऐसी नृत्य शैली है, जिसे सीखने की इच्छा मेरे मन में लंबे समय से है, लेकिन अलग-अलग वजहों से अब तक मैं इसे सीख नहीं पाई हूं.

अर्जुन ने बहन अंशुला के लिए जताया प्यार

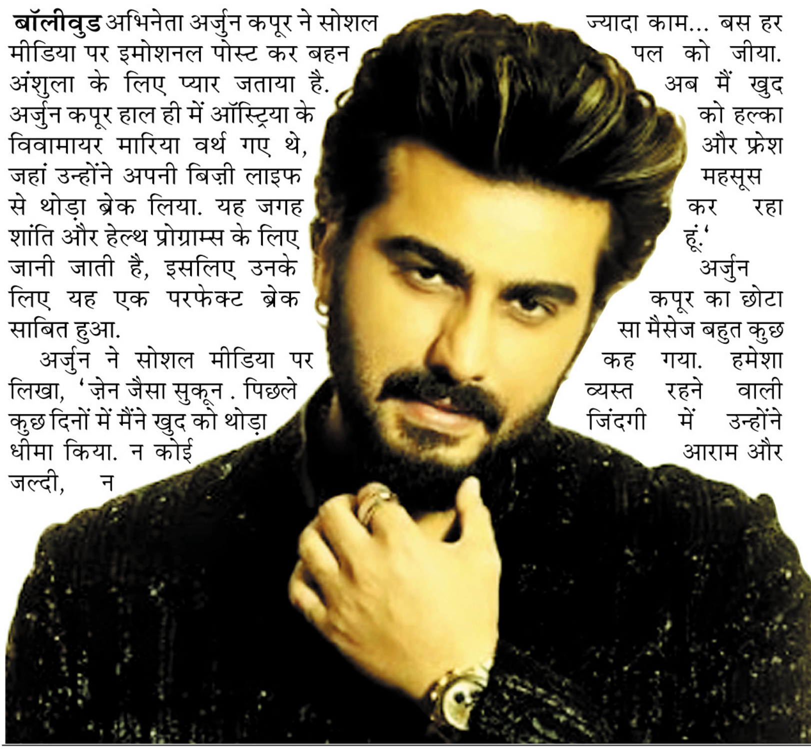

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट कर बहन अंशुला के लिए प्यार जताया है. अर्जुन कपूर हाल ही में ऑस्ट्रिया के विवामायर मारिया वर्थ गए थे, जहां उन्होंने अपनी बिज़ी लाइफ से थोड़ा ब्रेक लिया. यह जगह शांति और हेल्थ प्रोग्राम्स के लिए जानी जाती है, इसलिए उनके लिए यह एक परफेक्ट ब्रेक साबित हुआ.

अर्जुन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ज़ेन जैसा सुकून . पिछले कुछ दिनों में मैंने खुद को थोड़ा धीमा किया. न कोई जल्दी, न ज्यादा काम... बस हर पल को जीया. अब मैं खुद को हल्का और फ्रेश महसूस कर रहा हूं.'

अर्जुन कपूर का छोटा सा मैसेज बहुत कुछ कह गया. हमेशा व्यस्त रहने वाली जिंदगी में उन्होंने आराम और सुकून को अहमियत दी, जो लोगों को अच्छा लगा.इस पोस्ट की सबसे खास बात थी उनकी बहन के लिए प्यार. उन्होंने लिखा, 'अंशुला के बिना यह हफ्ता इतना आसान नहीं होता.'

अर्जुन और अंशुला हमेशा एक-दूसरे के साथ रहे हैं अच्छे और बुरे हर समय में. यह ट्रिप दिखाता है कि हमें अपने अपनों के लिए समय जरूर निकालना चाहिए.यह सिर्फ छुट्टी नहीं थी, बल्कि सुकून, साथ और रिश्तों की अहमियत समझने का समय था.

पहली बार में पसंद आई 'आखरी सवाल' की कहानी : संजय दत्त

निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने बताया है कि संजय दत्त को पहली बार में ही आखरी सवाल' की कहानी पसंद आ गयी थी. संजय दत्त स्टारर 'आखरी सवाल' सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से राह देख रहे हैं.

इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा थी और फिर मेकर्स ने हनुमान जयंती पर फिल्म का टीज़र रिलीज किया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की ऐसी झलक दिखाई गई जो पहले कभी नहीं देखी गई थी. जहाँ हर कोई फिल्म का इंतज़ार कर रहा है, वहीं निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने 'आखरी सवाल' की स्क्रिप्ट सुनने के बाद संजय दत्त के रिएक्शन के बारे में बताया है.

'आखरी सवाल' की स्क्रिप्ट पर संजय दत्त के रिएक्शन को साझा करते हुए अभिजीत मोहन वारंग ने कहा, 'जब संजय ने पहली बार स्क्रिप्ट सुनी, तो वो तुरंत इससे जुड़ गए.

45 की उम्र में डेब्यू करेंगी रिद्धिमा कपूर

बॉलीवुड के मशहूर कपूर खानदान की विरासत एक बार फिर सुर्खियों में है, क्योंकि इस बार रिद्धिमा कपूर साहनी अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने जा रही हैं. खास बात यह है कि वह 45 साल की उम्र में फिल्म 'दादी की शादी' से बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं. लंबे समय तक फिल्मी दुनिया से दूर रहने के बाद अब वह अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं.

रिद्धिमा कपूर ने बताया कि उन्हें अपने भाई रणबीर कपूर से इस नए सफर के लिए खास सलाह मिली है. रणबीर ने उन्हें कैमरे के सामने हमेशा सच्चा रहने और अपने किरदार को महसूस कर जीने की सलाह दी. यह मार्गदर्शन उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ है.

फिल्म 'दादी की शादी' में रिद्धिमा के साथ उनकी मां नीतू कपूर और कॉमेडियन कपिल शर्मा भी नजर आएंगे. यह फिल्म रिश्तों और दूसरे मौकों की भावनात्मक कहानी पर आधारित है.

सोशल मीडिया पर पहले से ही रिद्धिमा की एंट्री को लेकर काफी चर्चा हो रही है और फैंस उनकी पहली फिल्म को लेकर उत्साहित हैं.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

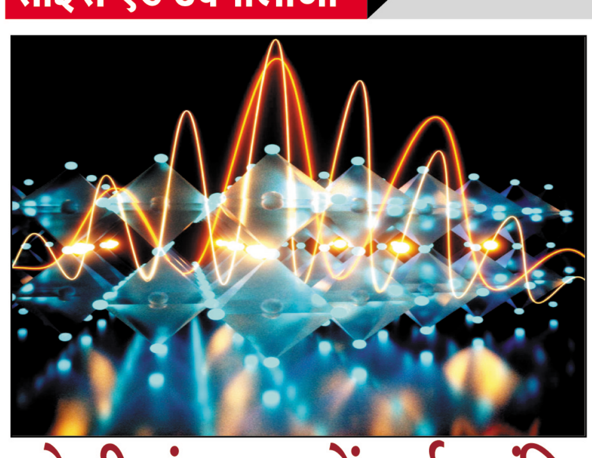

सेमीकंडक्टर में नई क्रांति

लाइट से शेप बदलते क्रिस्टल

वैज्ञानिकों ने एक नई तरह की सेमीकंडक्टर सामग्री की खोज की है, जो रोशनी पड़ने पर अपनी आकृति बदल सकती है. यह खोज यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया डेविस के शोधकर्ताओं द्वारा की गई है और इसे भविष्य की स्मार्ट तकनीक के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है. इस अध्ययन में पाया गया कि पेरोव्स्काइट नामक क्रिस्टल रोशनी के प्रभाव से तेजी से और बार-बार अपनी संरचना बदल सकते हैं, जबकि पारंपरिक सेमीकंडक्टर जैसे सिलिकॉन ऐसा नहीं कर पाते.

पेरोव्स्काइट एक विशेष प्रकार की सामग्री है, जिसकी क्रिस्टल संरचना एबीएक्स3 रूप में होती है. इसमें एक केंद्रीय परमाणु के चारों ओर अन्य परमाणु एक विशेष आकृति में व्यवस्थित होते हैं. यह सामग्री ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक दोनों तत्वों का मिश्रण हो सकती है, जिससे इसे बनाना अपेक्षाकृत सस्ता और लचीला होता है. यही कारण है कि इसे अगली पीढ़ी के सौर ऊर्जा उपकरणों और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में उपयोग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस शोध में वैज्ञानिकों ने लेजर लाइट का उपयोग करके पेरोव्स्काइट क्रिस्टल पर प्रकाश डाला और एक्स-रे तकनीक से उसकी आंतरिक संरचना में होने वाले बदलाव को मापा. परिणामों से पता चला कि जैसे ही प्रकाश क्रिस्टल पर पड़ता है, उसकी संरचना में तेज और स्पष्ट बदलाव आता है, और खास बात यह है कि यह बदलाव पूरी तरह रिवर्सिबल यानी वापस पहले जैसा हो सकता है.

वैज्ञानिकों का मानना है कि पेरोव्स्काइट की यह अनोखी क्षमता नई तकनीकी क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. आने वाले समय में यह सामग्री इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा और संचार के क्षेत्र में बड़े बदलाव ला सकती है और स्मार्ट डिवाइस की नई संभावनाएं खोल सकती है.

लो अर्थ ऑर्बिट पर मंडराता खतरा

लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में तेजी से बढ़ते सैटेलाइट नेटवर्क को लेकर वैज्ञानिकों ने एक गंभीर चेतावनी दी है. हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, अंतरिक्ष में मौजूद यह पूरा तंत्र अब बेहद संवेदनशील हो चुका है और किसी बड़े व्यवधान की स्थिति में यह 'ऑर्बिटल हाउस ऑफ कार्ड्स' की तरह ढह सकता है. शोध बताता है कि यदि सैटेलाइट ऑपरेटर्स का नियंत्रण अचानक समाप्त हो जाए—जैसे कि किसी बड़े सोलर स्टॉर्म के कारण—तो केवल 2.8 दिनों के भीतर एक विनाशकारी टक्कर संभव है.

आज हजारों सैटेलाइट लगभग 27,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं. ये सैटेलाइट संचार, इंटरनेट, मौसम पूर्वानुमान, नेविगेशन और रक्षा जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए जरूरी हैं. लेकिन इनकी बढ़ती संख्या ने अंतरिक्ष को बेहद भीड़भाड़ वाला बना दिया है, जहां हर पल सटीक निगरानी और नियंत्रण आवश्यक हो गया है.

अध्ययन में 'क्रैश क्लॉक' नामक एक नया मापदंड पेश किया गया है, जो यह दर्शाता है कि नियंत्रण की कमी होने पर कितनी जल्दी बड़ी दुर्घटना हो सकती है. वर्ष 2018 में जहां यह समय 164 दिन था, वहीं 2025 तक यह घटकर 5.5 दिन रह गया है, और कुछ स्थितियों में केवल 2.8 दिन तक सीमित हो गया है. यह बदलाव अंतरिक्ष में बढ़ती भीड़ और जोखिम को साफ तौर पर दिखाता है.

सोलर स्टॉर्म इस खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं. जब सूर्य से निकलने वाली ऊर्जा पृथ्वी के वायुमंडल को प्रभावित करती है, तो ऊपरी परत गर्म होकर फैल जाती है, जिससे सैटेलाइट की कक्षाएं अस्थिर हो जाती हैं. मई 2024 के गैनन स्टॉर्म के दौरान लगभग आधे सक्रिय सैटेलाइट को अपनी कक्षा बदलनी पड़ी थी, जिससे टक्कर की आशंका और बढ़ गई थी.

विशेषज्ञ 'केसलर सिंड्रोम' को भी लेकर चिंतित हैं, जिसमें एक टक्कर से निकला मलबा कई और टक्करों की वजह बन सकता है और पूरा ऑर्बिट खतरनाक कचरे से भर सकता है. फिलहाल हर 36 सेकंड में सैटेलाइट के बीच नजदीकी संपर्क हो रहा है, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है. अगर भविष्य में 1859 जैसा शक्तिशाली कैरिंगटन इवेंट दोबारा होता है, तो यह न केवल सैटेलाइट सिस्टम बल्कि वैश्विक संचार, वित्त और आपदा प्रबंधन को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है.

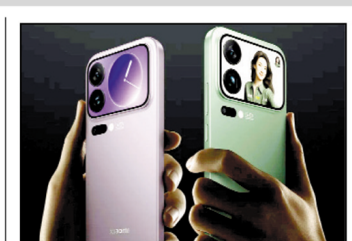

7,000 एमएएच बैटरी का धमाका

स्मार्टफोन बाजार में एक बार फिर बड़ा धमाका करने की तैयारी में शाओमी अपनी नई 18 सीरीज लेकर आने वाली है. रिपोर्ट्स के अनुसार, यह सीरीज सितंबर तक लॉन्च हो सकती है और इसमें कई बड़े अपग्रेड देखने को मिलेंगे. खास बात यह है कि इस बार कंपनी अपने फ्लैगशिप डिवाइस में ऐसी तकनीक देने जा रही है, जो मोबाइल फोटोग्राफी और परफॉर्मेंस दोनों को नई ऊंचाई पर ले जा सकती है.

जानकारी के मुताबिक, इस सीरीज के फोन में दो 200 मेगापिक्सल के कैमरे दिए जा सकते हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में बेहद खास बनाते हैं. इतना ही नहीं, इन कैमरों में बड़े इमेज सेंसर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे फोटो की क्वालिटी और डिटेल्स पहले से कहीं बेहतर होंगी. यह फीचर खास तौर पर प्रो मॉडल में देखने को मिल सकता है, जबकि स्टैंडर्ड मॉडल में एक 200 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप कैमरा मिलने की संभावना है.

परफॉर्मेंस के मामले में भी यह सीरीज काफी दमदार साबित हो सकती है. रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें लेटेस्ट 2 नैनोमीटर तकनीक पर आधारित नया प्रोसेसर दिया जा सकता है, जिसे स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 6 कहा जा रहा है. यह प्रोसेसर फोन को तेज, स्मूद और ज्यादा पावरफुल बनाएगा, जिससे गेमिंग और मल्टीटास्किंग का अनुभव बेहतर होगा.

गूगल वॉलेट में डिजिटल आधार

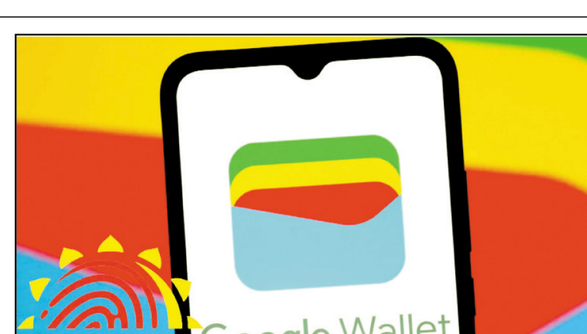

डिजिटल युग में पहचान को सुरक्षित और आसान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए गूगल ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के साथ साझेदारी की है. इस नई सुविधा के तहत अब उपयोगकर्ता अपने आधार कार्ड की डिजिटल प्रति को गूगल वॉलेट एप में सुरक्षित रूप से सहेज सकते हैं. इससे न केवल फिजिकल कार्ड रखने की जरूरत कम होगी, बल्कि पहचान सत्यापन की प्रक्रिया भी अधिक सरल और तेज हो जाएगी.

इस सुविधा की सबसे खास बात यह है कि उपयोगकर्ता अपने डिजिटल आधार का उपयोग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के वेरिफिकेशन के लिए कर सकते हैं. गूगल वॉलेट में सेव आधार पूरी तरह एन्क्रिप्टेड फॉर्मेट में रहता है, जिससे डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है. इसके अलावा, उपयोगकर्ता को 'सेलेक्टिव इंफॉर्मेशन शेयरिंग' का विकल्प भी मिलता है, यानी वेरिफिकेशन के दौरान वह केवल वही जानकारी साझा कर सकता है, जिसकी आवश्यकता हो. इससे निजी जानकारी के दुरुपयोग का खतरा कम हो जाता है.

गूगल के अनुसार, यह सुविधा कई अन्य कार्यों में भी उपयोगी साबित होगी. उदाहरण के लिए, थर्ड पार्टी एप पर उम्र सत्यापन, रिवॉर्ड क्लेम करना या इंटरनेशनल वीजा फॉर्म भरना अब अधिक आसान हो जाएगा. भविष्य में इस सुविधा को मायगेट और स्नैबिट जैसे प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा जाएगा, जिससे गिग वर्कर्स का वेरिफिकेशन तेजी से किया जा सकेगा.

डिजिटल आधार को गूगल वॉलेट में जोड़ने की प्रक्रिया भी काफी सरल है. सबसे पहले स्मार्टफोन में गूगल वॉलेट एप खोलें और होम स्क्रीन पर दिए गए 'एड टू वॉलेट' विकल्प पर टैप करें. इसके बाद आईडी पास या आधार कार्ड जोड़ने का विकल्प चुनें. फिर यूआईडीएआई पोर्टल के माध्यम से आधार विवरण का सत्यापन करना होगा, जिसके लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करना जरूरी होगा. सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधार की डिजिटल कॉपी आपके गूगल वॉलेट में सुरक्षित रूप से सेव हो जाएगी.